विषयसूची ।

विषय				पृष्ठ
प्रस्तावना	....	....	..	३
भूमिका	....	....	....	९
ग्रन्थसूची	...	....	....	११
१—वीर दर्शन	...	....	....	१
२—संसार परस्थिति		....	....	६
३—कालचक्र	....	....	....	८
४—तीर्थंकर कौन हैं ?		....	....	११
५—श्री ऋषभदेव	....	....	....	१७
६—श्री नेमिनाथजी		....	....	२२
७—श्री पार्श्वनाथजी ...		....	....	२५
८—अवशेष तीर्थंकर		...	....	२९
९—जैनधर्म और हिन्दूधर्म		...	....	३८
१०—जैन धर्मका महत्व और उसकी स्वाधीनता				४४
११—तत्कालीन—परस्थिति		....	....	४७
१२—लिच्छावीय क्षत्री और उनका गणराज्य			....	५७
१३—वैशाली और कुण्डग्राम		....	....	६३
१४—भगवानका शुभागमन		...	....	६९
१५—शुभ-शैशव-काल और युवावस्था			....	७७
१६—पूर्वभव दिग्दर्शन		....	....	८२
१७—वैराग्य और दीक्षाग्रहण		...	....	८८
१८—तपश्चरण व केवलज्ञानोत्पत्ति			....	९५
१९—विविध उपसर्ग वर्णन		....	....	१०२

२०—विहार और धर्मप्रचार १०५
२१—इन्द्रभूति गौतम ११२
२२—सुधर्माचार्य एवं अन्य शिष्य.... .. ११६
२३—महिलारत्न चन्दना १२१
२४—वारिषेण मुनि १२४
२५—क्षत्रचूड़ामणि जीवन्धर १२७
२६—जैन सम्राट् श्रेणिक और चेटक १३४
२७—अभयकुमार व अन्य राजपुत्र १५३
२८—भगवान महावीर और म० बुद्ध १५८
२९—मक्खाली गोशाल १७३
३०—भगवानका मोक्षलाभ १८६
३१—भगवानका दिव्योपदेश १९९
३२—निर्वाण-प्राप्ति काल-निर्णय २११
३३—भगवानके संघकी अंतिम दशा और
श्वे० अम्नायकी उत्पत्ति २१४
३४ वीर संघका प्रभाव व जैन राजा २४२
३५ जीवनसे प्राप्त शिक्षाऐं व उपसंहार २५९
परिशिष्ट नं० १
भगवान महावीर व महात्मा गांधी.... २७०
परिशिष्ट नं० २—बुद्ध व महावीर २७१
परिशिष्ट नं० ३
महावीरकी सर्वज्ञताके प्रमाण.... .... २७३
शुद्धिपत्र २७९